तापमान
अधिकतम 37.2 डिग्री
न्यूनतम 21.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, बुधवार 02 अप्रैल 2025

12 श्रीमद भागवत में जड़भरत पर सुनाई कथा

12 14 लाख रुपए लागत की कस्टम हायरिंग...

नवरात्रि विशेष

चतुर्थ : कूष्माण्डा

मां दुर्गा अपने चतुर्थ स्वरूप में कूष्माण्डा के नाम से जानी जाती हैं। नवरात्र के चौथे दिन आयु, यश, बल व ऐश्वर्य को प्रदान करने वाली भगवती कूष्माण्डा की उपासना-आराधना का विधान है। अपनी मंद हंसी द्वारा अण्ड अर्थात ब्रह्माण्ड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्माण्डा देवी के नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था, चारों ओर अंधकार ही अंधकार परिव्याप्त था तब इन्हीं देवी ने अपने ईषत हास्य से ब्रह्माण्ड की रचना की थी। अतः यही सृष्टि की आदि स्वरूपा आदि शक्ति मानी जाती हैं. इनके पूर्व ब्रह्माण्ड का अस्तित्व था ही नहीं. इनकी आठ भुजाएं हैं. अतः ये अष्टभुजा देवी के नाम से विख्यात हैं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष बाण, कमल, पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं. आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला है. इनका वाहन सिंह है। अपनी मंद, हल्की हंसी द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्माण्डा देवी के रूप में पूजा जाता है. संस्कृत भाषा में कूष्माण्डा को कुम्हड़ कहते हैं. बलियों में कुम्हड़े की बलि इन्हें सर्वाधिक प्रिय है. इस कारण से भी मां कूष्माण्डा कहलाती हैं. सर्वप्रथम मां कूष्मांडा की मूर्ति अथवा तस्वीर को चौकी पर दुर्गा यंत्र के साथ स्थापित करें इस यंत्र के नीचे चौकी पर पीला वस्त्र बिछाएं. अपने मनोरथ के लिए मनोकामना गुटिका यंत्र के साथ रखें. दीप प्रज्ज्वलित करें तथा हाथ में पीले पुष्प लेकर मां कूष्मांडा का ध्यान करें.
वन्दे वांछित कामर्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम।
सिंहरूढा अष्टभुजा कुष्माण्डा यशस्वनीम।।

एक्सीडेंट में एक घायल

महासमुंद। अपनी बेटी से मिलकर वापस लौट रहे बाइक सवार को मेटाडोर ने टक्कर मार दिया, जिससे वह घायल हो गया। पिथौरा पुलिस को शिवनारायण पटेल निवासी सरगतोरा ने बताया कि 12 फरवरी को वह मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 जीक्यू 1505 से अपनी बेटी से मिलने संत अन्ना स्कूल सांकरा गया था। बेटी से मिलकर वापस घर आते समय शाम करीब 7.30 बजे हरिओम राईस मिल के पास ग्राम डोंगरपाली पहुंचने पर पीछे से आ रही मेटाडोर दूध गाड़ी के चालक ने अपने वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुये मोटर सायकल को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिससे उसके दाहिने पैर व दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई। रायपुर में इलाज करा कर आने के बाद प्रार्थी ने पिथौरा थाने में आरोपी वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिस पर धारा 125(ए), 281 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

नगर के बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री धड़ल्ले से जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

- एक बार यूज होने वाले डिस्पोजल, चम्मच, कैरी बैग आदि पर प्रशासन ने लगाई है रोक

प्रतिबंध के बावजूद भी बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है, जो पालिका को अब महंगी पड़ने वाली है क्योंकि इस साल स्वच्छता रैंकिंग में इस बार सिर्फ कचरा उठाने, अस्थायी स्पॉट कम करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पालीथिन प्रतिबंध पर भी फोकस रहेगा। बता दें कि अक्टूबर 2022 से प्लास्टिक निर्मित एक बार यूज होने वाले डिस्पोजल, चम्मच, कैरी बैग सहित अन्य सामग्रियों के निर्माण और उसकी बिक्री पर शासन ने पूर्णतः रोक लगा दी है। जिसके बाद प्रशासन की सख्ती के चलते कुछ दिनों तक इसकी बिक्री और उपयोग पर लगाम लगी।

जैसे ही प्रशासन की कार्रवाई ढीली पड़ी, वैसे इसकी बिक्री अब फिर से जोरों पर है। मालूम हो कि सिंगल यूज प्लास्टिक में प्लास्टिक डिस्पोजल गिलास, चम्मच और कैरी बैग का कारोबार मुख्यालय सहित जिले में धड़ल्ले से चल रहा है। जिस पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी पालिका को दी गयी है पर पालिका प्रशासन छोटे फल और सब्जी व्यापारियों पर कभी-कभी कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेता है, लेकिन पालिका द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई न करना ही महंगा पड़ने वाला है।

इस बार स्वच्छता रैंकिंग में पालीथिन प्रतिबंध पर भी फोकस

अच्छी रैंकिंग लाना चुनौतीपूर्ण

जानकारी के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 शुरू हो गया है। शहर में स्वच्छता को लेकर टीम कभी भी निरीक्षण के लिए आ सकती है। इस बार साफ-सफाई के अलावा पॉलीथिन पर कार्रवाई, अवैध लगे फ्लैक्स, कचरा उठाना व ट्रेंचिंग ग्राउंड में छंटनी करना आदि पर टीम अधिक ध्यान देने वाली है। शहर के मुख्य मार्ग सहित पॉलीथिन का कचरा गली मोहल्लों व नालियों में जमा है। इसकी निरंतर सफाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में स्वच्छता रैंकिंग को अच्छा बनाना पालिका के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि, पालिका प्रशासन का कहना है शहर में लगातार स्वच्छता अभियान चलाकर नगर को स्वच्छ किया जा रहा है साथ ही समय-समय पर सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

गर्मी : 85 से 120 लाख लीटर की खपत का अनुमान, लगातार बढ़ रही गर्मी

पानी की खपत को लेकर नगर पालिका सजग

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

भीषण गर्मी की आशंका को देखते हुए यह अनुमान सामने आया है कि आगामी दिनों में शहर को तकरीबन 120 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होगी। अप्रैल के शुरुआती दिनों में जहां यह आंकड़ा 85 लाख लीटर पहुंच गया है। मई-जून में इसके बढ़ने की संभावना के अनुरुप पालिका इस प्लानिंग में जुटी हुई है कि लोगों को जल संकट का सामना न करना पड़े। मौसम वैज्ञानिकों की चेतावनी के अनुसार भीषण गर्मी के कारण पानी की खपत बढ़ना तय है।

बता दें कि शहर के 30 वार्डों में साढ़े 20 हजार से अधिक मकान हैं। यहां रह रही 90 हजार की आबादी के लिए गर्मी में पानी की समस्या न हो इसके लिए वर्तमान में दिया जा रहा तीन समय पानी ने राहत पहुंचाई है।

शहर में कुल 7 पानी टंकियां हैं जिसके माध्यम से शहर में जलापूर्ति होती है। इनमें से 2 टंकियों की क्षमता साढ़े 6 लाख लीटर है। वहीं, 5 टंकियों की क्षमता साढ़े 4 लाख लीटर है। शहर में इन टंकियों से 1 बार में 35 लाख लीटर पानी की आपूर्ति होती है। यानी 3 टाइम में 105 लाख लीटर पानी प्रतिदिन शहरवासियों को आपूर्ति की जाती है इसके अलावा भी अनेक स्थानों से बोर से पानी टैंकरों के माध्यम से भेजा जाता है। समय के साथ ही लगातार शहर की जनसंख्या भी बढ़ रही है। चूंकि, मौसम वैज्ञानिकों ने इस बार भीषण गर्मी की चेतावनी दी है। ऐसे में पानी की सर्वाधिक खपत होना तय है।

8 हजार से अधिक नल कनेक्शन

महासमुंद नगर पालिका प्रदेश की पहली नगर पालिका है जहां गर्मी के दिनों में तीन टाईम पानी आपूर्ति की शुरूआत हुई। शहरवासियों की सुविधाओं के लिए पिछले 3 सालों से होली त्योहार के बाद से तीन टाइम पानी दिया जाता है। इस बार भी इस परंपरा को कायम रखते हुए पालिका ने तीन टाइम पानी की आपूर्ति शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार शहर में कुल 8114 नल कनेक्शनधारी हैं। इनमें घरेलू कनेक्शन 5348 और भागीरथी नल जल के 2766 नल कनेक्शन हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर 93 बोर और 45 हैंडपंप

इसके अलावा शहर के विभिन्न स्थानों पर 93 सार्वजनिक बोर और 45 हैंडपंप हैं। जिससे शहरभर में जलापूर्ति की जाती है। नगर पालिका जल विभाग प्रभारी सीताराम तेलक ने बताया कि शहर के 30 वार्डों में फिलहाल 84 लाख लीटर पानी की खपत हो रही है। गर्मी में यह खपत 110 से 120 लाख लीटर तक बढ़ सकती है। इसलिए लोगों को पेयजल संकट से राहत दिलाने तीन समय नल से 15 जून तक दिया जाता है।

गाली देने से मना किया तो कर दी मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

गाली गलौज करने से मना करने पर एक व्यक्ति के साथ दो लोगों ने मारपीट कर दी। पिथौरा पुलिस को दुरूगपाली के लेखराम ध्रुव ने बताया कि 30 मार्च की शाम को वह गांव में टहल रहा था। शाम करीब 4 बजे उत्तम गिरी गोस्वामी पिता गोपी गिरी गोस्वामी (33साल) एवं फर्ज गिरी गोस्वामी पिता गोपी गिरी गोस्वामी (45 साल) ग्राम दुरूगपाली अपने घर के सामने शराब के नशे में गाली गलौज कर रहे थे, जिसे मना करने पर आज तुझे जान से मार देने कहकर दोनों भाई ने एक राय होकर मारपीट शुरू कर दी, जिससे चोटें आई। मामले में रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

बाइक से प्लग वायर निकालने की बात को लेकर विवाद, दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

बसना के जगदीशपुर में बाइक के प्लग को निकालने की बात को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हो गई। मामले की रिपोर्ट बसना थाने में अलग-अलग अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस को दुर्गेश गुप्ता निवासी जगदीशपुरने बताया कि 29 मार्च की सुबह करीबन 8.30 बजे वह अपने घर के दरवाजे में बैठा था, इसी दौरान उसके घर के सामने में मकान निर्माण कर रहे मजदूर लोगों के द्वारा मोटर सायकल का प्लग किसी ने निकाल लिया है कहकर गाली गलौज की गई थी। इसके बाद 31 मार्च को शाम करीबन 7 बजे वह अपने घर के सामने खड़ा था, तभी प्रार्थी ने अश्वनी, सुरेश, अजय से पूछा कि उस दिन किसको गाली गलौज कर रहे थे, तब अश्वनी ने तुमने मोटर सायकल का प्लग चुराया है कहा। इसके बाद तीनों एक राय होकर गाली गलौज कर हाथ मुक्का से मारपीट किया। जब उसी पत्नी सोफिया गुप्ता ने बीच बचाव किया तब उनके साथ भी अश्वनी ने डंडे से मारपीट की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

मामले को लेकर दूसरे पक्ष के अश्वनी सेठ निवासी ग्राम बोईरडीह ने बताया कि 29 मार्च को वह ग्राम जगदीशपुर के प्रवीण के मकान निर्माण के लिए आया और अपने मोटर सायकल को दुर्गेश के घर के बगल करण पेड़ के नीचे में खड़ कर काम करने के लिए गया था। काम होने के बाद करीबन 4 बजे अपने मोटर सायकल को चालू किया, लेकिन वह स्टार्ट नहीं हुआ। इसके बाद देखा कि उसके मोटर सायकल के प्लग कैप को किसी के द्वारा निकाल लिया गया था, इसके बाद वह किसी तरह अपनी गाड़ी को लेकर चला गया। 31 मार्च को वह अपने साथी सुरेश के साथ प्रवीण के घर मिस्त्री सामान छोड़ने आए थे। इस दौरान दुर्गेश ने उसे बुलाया। तब वह और सुरेश गए, इसके बाद प्लग कैप को लेकर हुए विवाद में दुर्गेश और उसकी पत्नी सोफिया ने एक राय होकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का से मारपीट करते शर्ट को फाड़ दिया तथा दुर्गेश ने पास में रखे डंडे से मुझे मारपीट किया। जब मारपीट को देखकर सुरेश सेठ छुडाने आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। मामले में रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

गणधर गुरु गौतमस्वामी का जन्म महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

संगीतमयी पूजा में नाचे झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

नगर में उपाध्याय प्रवर आध्यात्मयोगी महेंद्र सागर मसा एवं युवा मनीषी मनीष सागर मसा के शिष्य रत्न विशुद्ध सागर मसा आदि ठाणा 2 के पावन सानिध्य एवं जैन संघ के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवंत महावीर स्वामीं के प्रथम गणधर गुरु गौतमस्वामी का जन्म महोत्सव चैत सुदी एकम 30 मार्च को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भक्तिमय पूजा, साधार्मिक वात्सल्य के साथ मनाया गया।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए महिला परिषद के पदाधिकारीगण दीप्ति चोपड़ा, चेतना मालू, शिल्पा लूनिया, आकांक्षा बोथरा, निधि लूनिया ने सयुंक्त रुप से बताया कि खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत जिनमणिप्रभसूरिश्वर मसा के सद्प्रेरणा से महासमुंद नगर में प्रतिमाह गुरु गौतमस्वामी पूजन का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इसी कड़ी में इस वर्ष प्रथम बार गुरुगौतम स्वामीं का जन्म महोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। जिसके अन्तर्गत प्रातः 10 बजे गुरु गौतमस्वामी की पूजा जैन मंदिर में हुई। जिसमें स्थानीय भजन एवं पूजा वाचक हेमंत झाबक, ललित शर्मा सहित रायपुर से पधारे नवीन चोपड़ा द्वारा अपने सुमधुर भजनों के माध्यम से गुरु गौतमस्वामी का गुणगान किया। पूजन में प्रभावना के लाभार्थी चंपालाल बस्तीमल प्रेमचंद चोपड़ा परिवार थे। पूजन पश्चात गौतमप्रसादी स्वरुप स्वामीवात्सल्य का आयोजन शांतिनाथ जैन भवन पर रखा गया था। इस भव्य आयोजन पर महिला परिषद के सदस्यों द्वारा मंदिर में आकर्षक पुष्प सजावट की गई। साथ ही गौतमस्वामी की प्रतिमा पर आंगी रचाई गई, जो की काफी आकर्षण का केंद्र रहा।

आयोजन में गौतमस्वामीं जन्म महोत्सव निमित्त सकल संघ में लड्डू के प्रभावना के लाभार्थी उत्तमचंद अजय कुमार, विजय कुमार, संजयकुमार मालू परिवार थे। इस भव्य आयोजन में सकल जैन समाज के सभी वर्ग (महिला, पुरुष, बच्चे) के लोगों नें उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस आयोजन को सफल बनाने में महिला परिषद के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

खबर संक्षेप

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष बने सुरेश, दीक्षित सचिव

रायपुर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में सुरेश मिश्रा अध्यक्ष चुने गए। इसी तरह सचिव पद पर राजकुमार दीक्षित ने रज्जन अग्निहोत्री को पराजित कर जीत हासिल की। इनके अलावा 19 कार्यकारिणी सदस्य भी मतदान के माध्यम से ही चुने गए। इनमें नौ महिलाएं नीता अवस्थी, आभा बाजपेयी, निशा पाण्डेय, सुनयना शुक्ला, राधा तिवारी, शीतल मिश्रा, सुधा शुक्ला और सुनयना मिश्रा शामिल हैं। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय ने हर्ष जताते हुए उन्हें बधाई दी।

सांकरा में जोड़ा जैतखाम का भव्य लोकार्पण कल

रायपुर। धनेली ग्राम सांकरा में नवनिर्मित जोड़ा जैतखाम का भव्य लोकार्पण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 2 अप्रैल को दोपहर 2 बजे प्रारंभ होगा। जैतखाम लोकार्पण के अवसर पर सतनामी समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में बाबा गुरु घासीदासजी की गद्दी स्थापना और मंगल पंथी, चौका आरती कार्यक्रम भी शामिल होगा। समारोह के मुख्य अतिथि आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब होंगे। विशेष अतिथि धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा, राजेंद्र प्रसाद भतपहरी, प्रगतिशील सतनामी समाज के प्रदेशाध्यक्ष एलएल कोसले, प्रगतिशील सतनामी समाज के संरक्षक सुंदरलाल लहरे, डॉ. मंजीत सिंह कौशल, नवीन कुमार अग्रवाल, हरिशंकर निषाद, शकुंतला दिलेंद्र सेन, डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय आदि उपस्थित रहेंगे।

कलिंगा विवि में प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा 5 दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दो बैच संचालित किए गए, जिसमें पहला बैच 28 मार्च और दूसरा बैच 29 मार्च को कलिंगा यूनिवर्सिटी रायपुर में आयोजित किया गया। प्रत्येक बैच में 30 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया, जो भविष्य में उद्यमिता प्रशिक्षण को नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलिंगा यूनिवर्सिटी के कुलपति ने उद्घाटन सत्र में कहा कि वर्तमान समय में स्वरोजगार और स्टार्टअप संस्कृति को सशक्त करने के लिए प्रशिक्षित ट्रेनर्स की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को छग के युवा और नवोदित उद्यमियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

दवा महंगी, दारू सस्ती, नई आबकारी नीति जन विरोधी

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रैल से शराब की कीमतों में कमी किए जाने के निर्णय को जनविरोधी बताया। उन्होंने कहा सरकार को दारू की क़ीमतों को कम करने के बजाए जनहित में दवा की क़ीमतों और महंगाई से त्रस्त जनता को राहत देने राशन, तेल और रोज़मर्रा की चीजों की क़ीमत को कम करना चाहिए। नशे के कारण पहले ही आपराधिक घटनाओं में वृद्धि है। शराब की क़ीमतों को कम करने से उसकी खपत बढ़ने से आपराधिक घटना और दुर्घटनाएं भी बढ़ने से इनकार नहीं किया जा सकता।

कोल ट्रांसपोर्टर की हत्या कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

रायपुर। कोरबा के पाली थाना अंतर्गत एसईसीएल के सरायपाली बुडबुड कोयला खदान में 50 रुपए प्रति ट्रक वसूली को लेकर कोल ट्रांसपोर्टर रोहित जायसवाल की हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है।

पहले दिन रायपुर-अभनपुर मेमू में 128 यात्रियों ने किया सफर, 1280 रुपए राजस्व मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर से अभनपुर के बीच सोमवार से नियमित ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया है। पहले दिन 500 से अधिक सीटों में से 128 यात्रियों ने 10 रुपए किराए पर 68760 मेमू ट्रेन में सफर किया, जिससे रेलवे प्रशासन को 1280 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। पहले दिन मेमू ट्रेन में यात्रियों का रुझान कम रहा, लेकिन रेलवे को उम्मीद है कि आने वाले समय में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। रायपुर से ज्यादातर लोगों ने अभनपुर और सीबीडी स्टेशन के लिए सफर किया।

खास खबर

रायपुर से ट्रेन 9:00 बजे रवाना हुई, जिसमें 30 से अधिक यात्री सवार थे, जबकि अभनपुर से 10:20 बजे रायपुर के लिए ट्रेन रवाना हुई, जिसमें 50 से अधिक यात्रियों ने सफर किया। जानकारी के अनुसार, पहले दिन अभनपुर से रायपुर आने वालों की संख्या अधिक रही। शाम के वक्त भी लगभग 60 से अधिक यात्रियों दोनों ओर से सफर किया।

यह है ट्रेन का समय

68760 रायपुर से सुबह 9:00 बजे और अभनपुर से सुबह 10:20 बजे रायपुर के लिए ।

68762 रायपुर 16:20 बजे और 68763 अभनपुर से 18:10 बजे रायपुर के लिए रवाना होगी।

- गांव जाने यात्रियों ने पकड़ी रायपुर से ट्रेन, बस से जल्दी ट्रेन ने पहुंचा दिया घर
- 500 से अधिक सीटों में गिनती के यात्रियों ने किया सफर

समय और पैसों की बचत

ट्रेन के शुरू होने से बस के जरिए रायपुर से अभनपुर जाने वाले यात्रियों के कारोबार पर असर पड़ सकता है। पहले दिन 128 यात्रियों ने बस की जगह ट्रेन को चुना। आने वाले दिनों में यह संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी, क्योंकि ट्रेन से न केवल यात्रियों का समय बच रहा है, बल्कि पैसे की भी बचत हो रही है। बस में जहां 30 रुपए किराया देना पड़ता है, वहीं ट्रेन में सिर्फ 10 रुपए किराया है। इसके अलावा, बस में 1 घंटा 20 मिनट का समय लगता है, जबकि ट्रेन में यात्रियों को सिर्फ 1 घंटा 10 मिनट में अभनपुर पहुंचा दिया जाता है।

यात्रियों ने कहा- शाम 6 बजे होनी चाहिए ट्रेन

रायपुर से अभनपुर के लिए अंतिम ट्रेन शाम 4:20 को है। सोमवार को 15 लोगों ने रायपुर से सफर किया। कुछ यात्री मंदिर हसौद और सीबीडी स्टेशन से भी चढ़े। हरिभूमि से बात करते हुए यात्रियों ने कहा कि रेलवे ने ट्रेन चलाने की सुविधा का विस्तार किया है, लेकिन समय सारणी उन यात्रियों के लिए सही नहीं बैठ रही है, जो रोजाना काम के सिलसिले में अभनपुर से नया रायपुर या रायपुर जाते हैं। अभनपुर से पहली ट्रेन 11:45 को रायपुर पहुंचती है, जो नौकरीपेशा यात्रियों के लिए सही नहीं है। अगर यह ट्रेन 10 बजे रायपुर पहुंच जाए, तो बस या निजी वाहन में सफर करने वाले यात्री ट्रेन में ही सफर करना शुरू करेंगे। इसके अलावा, रायपुर से अभनपुर की अंतिम ट्रेन शाम 4:20 को है। यदि इसे 6 बजे कर दिया जाए, तो रायपुर से अधिक संख्या में दैनिक यात्री अभनपुर के लिए इस ट्रेन का इस्तेमाल करेंगे।

विरोध में उतरे नागरिक, किया प्रतिकार

महापौर का फरमान बेअसर, बूढ़ातालाब के पाथवे पर धड़ल्ले से चौपाटी निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बूढ़ातालाब के पाथवे को घेरकर दानी स्कूल, डिग्री गर्ल्स कालेज प्रवेश मार्ग पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से अनुबंधित एजेंसी द्वारा चौपाटी बनाने का चौतरफा विरोध शुरू हो गया है। सोमवार को सत्यमेव जयते फाउंडेशन, ग्रीन आर्मी संस्था और हर की पौड़ी ग्रुप ने निर्माण स्थल पर एक साथ एकजुट होकर चौपाटी निर्माण का विरोध किया। नागरिकों ने इस बात पर अचंभा जताया कि महापौर मीनल चौबे द्वारा चौपाटी को लेकर नाराजगी और हाल ही में निगम आयुक्त विश्वदीप के साथ स्थल भ्रमण के दौरान चौपाटी निर्माण बंद करने के फरमान के बाद भी ठेका एजेंसी द्वारा पाथवे पर चौपाटी निर्माण का काम धड़ल्ले से जारी है। इस बात को लेकर लोगों में नाराजगी देखी गई।

हरिभूमि सरोकार

बूढ़ातालाब के पाथवे पर शैक्षणिक परिसर से लगे हिस्से में चौपाटी निर्माण के विरोध में सत्यमेव जयते फाउंडेशन, बूढ़ापारा के नागरिक, मार्निंग वॉक ग्रुप हर की पौड़ी ने सोमवार को चौपाटी निर्माण स्थल पर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने प्रदर्शन किया। प्रोजेक्ट को रद्द कर ऐतिहासिक सरोवर को संरक्षित करने की मांग लोगों ने की। सत्यमेव जयते फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक कन्हैया अग्रवाल ने कहा, दानी स्कूल-डिग्री गर्ल्स कालेज मार्ग पर बूढ़ातालाब के बने पाथवे पर रोजाना सुबह-शाम सैकड़ों नागरिक सेहतमंदी के लिए आते हैं। उस पाथवे को घेरकर चौपाटी बनाई जा रही है। यदि इसे नहीं रोका गया, तो आने वाले दिनों में ऐतिहासिक सरोवर का व्यवसायीकरण होते देर नहीं लगेगी। पिछले 20 साल से चौपाटी निर्माण के विरोध में अनेक आंदोलन हुये हैं। 2010 में चौपाटी निर्माण का विरोध के बाद काम रोका गया था। 2020 में नगर निगम ने इस पूरे प्रोजेक्ट को ही रद्द कर दिया था। नई सरकार बनते ही कोर्ट के आदेश का हवाला देकर अनुबंधित कंपनी द्वारा अचानक चौपाटी निर्माण का काम तेजी से प्रारंभ किया गया है। फाउंडेशन के सदस्यों ने महापौर मीनल चौबे से मुलाकात कर इसकी जानकारी दी थी।

- सत्यमेव जयते फाउंडेशन, ग्रीन आर्मी, हर की पौड़ी ग्रुप ने चलाई मुहिम
- दानी स्कूल, दूधाधारी कन्या महाविद्यालय एंट्री पाइंट पर रूफ टॉप कैफे का ढांचा तैयार

सरोवर का अस्तित्व खतरे में

चौपाटी निर्माण का विरोध करने पहुंचे बूढ़ापारा के निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अजीत डेण्वेकर ने बताया कि मुंबई की एमएमपी कंपनी को छत्तीगसढ़ पर्यटन मंडल ने लीज पर दिया है। लीज की शर्तों के अनुरूप जो कार्य होने है इसमें विरोध के बावजूद चौपाटी निमाण को स्वीकृति दी गई है। कंपनी के कर्ता-धर्ता तालाब की सफाई, सौंदर्यीकरण, एडवेंचर स्पोर्टस , बगीचे के उन्नयन इन सब कामो को छोड़कर केवल चौपाटी निर्माण में लगे हैं। इससे ऐतिहासिक सरोवर का अस्तित्व खतरे में है। यही नहीं चौपाटी जहां बनाई जा रही है उससे लगे हिस्से में छात्राओं का स्कूल, कालेज व हास्टल बना है इससे छात्राओं की निजता प्रभावित होगी। क्योंकि रूफ टॉप चौपाटी से विद्यालय का व्यू साफ नजर आयेगा। हर की पौड़ी ग्रुप के दीपक शर्मा ने कहा कि चौपाटी में शराब परोसने की अनुमति दी गई है। इससे हमारी बेटियों के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा का खतरा है। इस पर तत्काल रोक लगाई जाये।

रायपुर में होगी एबीवीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी बैठक, 17 साल बाद मिली मेजबानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी की बैठक इस बार राजधानी रायपुर में होगी। 28 मई से 2 जून तक यह आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इस बैठक में देशभर से कुल 653 प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिसमें सभी प्रांतों के अध्यक्ष, मंत्री, संगठन मंत्री, कोष प्रमुख , राष्ट्रीय स्तर के सभी आयाम गतिविधि के संयोजक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे।

इस महत्वपूर्ण बैठक की व्यवस्थाओं को लेकर रायपुर महानगर की विशेष बैठक हुई, जिसमें एबीवीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष मंडावी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतस सुखड़िया एवं खेलो भारत प्रमुख प्रदीप सिखावत उपस्थित रहे।

- 28 मई से 2 जून तक होगा आयोजन, देशभर से 653 प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

सूरत में हुआ था पिछला आयोजन

एबीवीपी की पिछली राष्ट्रीय कार्यकारी बैठक का आयोजन गुजरात के सूरत में किया गया था। राजधानी में 2009 में कार्यकारी की राष्ट्रीय बैठक हुई थी। इस तरह से 17 साल बाद राजधानी रायपुर को दोबारा मेजबानी मिली है। देशभर से एबीवीपी के कार्यकर्ता रायपुर में जुटेंगे। बैठक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की आगामी कार्यों की रूपरेखा तैयार करने के साथ ही नीतियों और छात्रहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा।

वालंटियर के रूप में सेवा देंगे 200 कार्यकर्ता

प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था अग्रसेन धाम, सालासर बालाजी मंदिर एवं पंजाब केसरी भवन में सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त 200 कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में सहयोग करेंगे। रायपुर महानगर अध्यक्ष डॉ. अनुज शुक्ला को बैठक व्यवस्था प्रमुख एवं महानगर मंत्री श्री प्रथम राव फूटने को व्यवस्था सह-प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। 7 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के लिए अस्थायी कार्यालय का उद्घाटन करने का निर्णय लिया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त 28 मई को राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के उपलक्ष्य में नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर रायपुर एवं छत्तीसगढ़ के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा तथा एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

जोन अध्यक्ष का चुनाव इसी सप्ताह, राठौर आज संभालेंगे जोन 2

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम के 9 जोन के अध्यक्ष का चुनाव इसी सप्ताह होगा। नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर 1 अप्रैल को प्रातः 11 बजे जोन 2 कार्यालय में पदेन अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। इस मौके पर वे जोन क्षेत्र में कार्यरत 50 स्वच्छता दीदियों को सम्मानित करते हुये उनका अभिनंदन करेंगे। इसके बाद श्री राठौर जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों और पार्षदों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा करेंगे।

- प्रात: 11 बजे पदेन अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे
- 50 स्वच्छता दीदियों को करेंगे सम्मानित

दरअसल, निगम प्रशासन ने जोन का पुनर्गठन कर दिया है। इसके मुताबिक नगर निगम के सभी 10 जोन में 7-7 वार्ड हो गये हैं। इस पुनर्गठन में अब तक 5 वार्ड वाले जोन 3 में 2 नए वार्ड शामिल किये गये हैं। ये वार्ड दो जोन से विभाजित किये गये हैं। इसके साथ ही जोन अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है।

सूत्रों के मुताबिक जोन अध्यक्ष का चुनाव इसी सप्ताह कराया जायेगा। जोन कमिश्नर निर्वाचन अधिकारी होते हैं और नामांकन की पूरी प्रक्रिया अपनाई जायेगी। भारतीय जनता पार्टी के 60 पार्षदों के बड़े बहुमत को देखते हुये एक भी जोन अध्यक्ष का पद विपक्षी दल को जाता नहीं दिख रहा है। पिछले कार्यकाल में भी दस जोन में से मात्र एक जोन में अध्यक्ष विपक्ष का रहा है।

शराब दुकान पर खौली गांव में बवाल, सरपंच का आरोप बंधक बनाकर कराया साइन, तहसीलदार ने किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शराब दुकान खोले जाने के प्रस्ताव को लेकर आरंग क्षेत्र के ग्राम खौली में बवाल मच गया है। आबकारी विभाग ने इस गांव में शराब दुकान खोलने के लिए प्रस्ताव बनाया है। इस प्रस्ताव पर सरंपच की सहमति लेने के लिए सत्ता पक्ष के लोगों द्वारा तहसीलदार और थाना प्रभारी के माध्यम से दबाव डाला जा रहा है, जबकि शराब दुकान के विरोध में पूरा गांव है।

इधर हरिभूमि ने गांव के सरंपच राजेंद्र कुमार टंडन से इस मामले में बातचीत की। उनका कहना है कि तहसीलदार विनोद साहू ने क्षेत्र के थाना प्रभारी की मौजूदगी में उसे 4 घंटे तक तहसील कार्यालय में बंधक बनाए रखा और दबाव बनाकर प्रस्ताव में साइन करा लिए हैं, वहीं दूसरी ओर इस मामले में तहसीलदार ने सरपंच को बंधक बनाकर साइन कराने से इनकार किया है। उनका कहना है कि सरपंच पहले गांव में शराब दुकान खोलने के पक्ष में था। अपनी सहमति जताते हुए ही सरपंच ने प्रस्ताव पर साइन किए हैं, लेकिन गांव के लोगों ने जब शराब दुकान का विरोध किया, तो वह भी ग्रामीणों को दिखाने के लिए झूठा आरोप लगा रहा है।

पंचायत भवन में धरना प्रदर्शन आज

सरपंच ने बताया कि पूरा गांव चाहता है कि शराब दुकान उनके गांव में नहीं खुले। उनका कहना है कि उनके गांव में हाईस्कूल भी है। इस स्कूल में उनके गांव के अलावा आसपास के अन्य गांव के बच्चे भी पढ़ते हैं। अगर गांव में शराब दुकान खुली, तो बच्चों पर इसका खराब असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि दुकान के विरोध में पूरा गांव मंगलवार को पंचायत भवन में एकत्रित होकर इसके विरोध में धरना-प्रदर्शन करेगा।

सरपंच के आरोप का विडियो वायरल

सरपंच राजेंद्र टंडन द्वारा तहसीलदार पर लगाए गए आरोप का विडियो भी वायरल हुआ है। इस विडियो में सरपंच ने कुछ मीडिया कर्मियों को दिए बयान में कहा है कि आबकारी विभाग ने गांव में शराब दुकान खोलने के लिए प्रस्ताव बनाया है। इस प्रस्ताव पर उसकी सहमति लेने के लिए पिछले कई दिनों से तहसील कार्यालय द्वारा उस पर दबाव बनाया जा रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर सबसे पहले एसडीएम ने बुलाकर उससे बातचीत की थी। इस दौरान उसने प्रस्ताव का विरोध किया था। इसके बाद तहसीलदार विनोद साहू द्वारा भी दो-तीन बार प्रस्ताव पर सहमति देने की बात कही गई, लेकिन हर बार वह इनकार करता रहा। इस बीच तहसीलदार ने उसे बातचीत करने कार्यालय बुलाया, जहां थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। कार्यालय में करीब 4 घंटे तक उसे जबरन बैठा कर रखा गया और डरा-धमका कर उस पर दबाव डालकर प्रस्ताव पर साइन करा लिए।

धरने पर बैठे दिव्यांगों को पुलिस ने उठाया, मरीन ड्राइव से तूता धरनास्थल किया शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के तेलीबांधा स्थित मरीन ड्राइव पर 6 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे दिव्यांगजनों को पुलिस ने उठाया। इन्हें पुलिस ने मरीन ड्राइव से नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल शिफ्ट किया है। दरअसल, 6 सूत्रीय मांगों के प्रति शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने प्रदेशभर के दिव्यांगजन 26 मार्च को मरीन ड्राइव से जयस्तंभ चौक तक स्वाभिमान पैदल मार्च निकालने के लिए एकत्रित हुये थे। पुलिस के रोके जाने के बाद से वे स्थल पर ही धरने पर बैठे थे और रविवार को उन्होंने प्रदर्शन भी किया था।

- 6 सूत्रीय मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे थे

प्रमुख मांग इस तरह से

0 फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर काम करने वाले दिव्यांगजनों का राज्य मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण कराकर फर्जी दिव्यांग शासकीय कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाये।

0 दिव्यांगजनों को प्रतिमाह 5 हजार मासिक पेंशन देने और बीपीएल की बाध्यता समाप्त करने की मांग।

0 18 वर्ष से अधिक के अविवाहित दिव्यांग युवती को महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जाये।

0 दिव्यांगजन विशेष भर्ती अभियान चलाकर जल्द शासकीय पद निकालते हुये विज्ञापन जारी किया जाये।

0 शासकीय दिव्यांग कर्मचारियों को पदोन्नति में 4 फीसदी आरक्षण देने की मांग।

0 बेरोजगार दिव्यांगों को बिना गारंटन लोने दिलाया जाये, कोरोनाकाल के पूर्व दिये गये सभी लोन माफ किया जाये।

नवरात्रि में निगम-मंडलों में नियुक्ति का मिलेगा भाजपा नेताओं को तोहफा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में निगम, मंडलों में कुर्सी मिलने का इंतजार करने वाले भाजपा नेताओं का इंतजार अब समाप्त होने वाला है। नवरात्रि में कभी भी पहली सूची आ सकती है। बड़े निगम और मंडलों में नियुक्ति को लेकर तैयारी है। एक दर्जन से ज्यादा नामों की सूची तैयार हो चुकी है। इस बार सूची को गुप्त रखा गया है। दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही नामों का ऐलान होने की संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का लगातार बयान आता रहा है, नियुक्ति होगी, थोड़ा इंतजार करें। लगता है अब इंतजार की घड़ियां समाप्त होने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा भी अब हो गया है। आने वाले समय में 4 और 5 अप्रैल को केंद्रीय मंत्री अमित शाह आने वाले हैं, उनके आने के पहले या फिर उनके जाने के बाद कभी भी सूची जारी हो सकती है। प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनी है। सरकार बनने के एक साल बाद जाकर निगम, मंडल और आयोगों में नियुक्ति का क्रम बीते साल से प्रारंभ हुआ है। बीते साल ही लगातार नियुक्ति करने की योजना बनी थी। तीन चरणों में नियुक्ति की योजना बनाकर पहले चरण में कुछ प्राधिकरण में नियुक्ति की गई। इसके बाद लगातार यह बात सामने आती रही कि अब निगम और मंडलों में नियुक्ति होगी। बड़े निगम,मंडलों में पहले नियुक्ति की योजना तैयार की गई। लेकिन बीते साल के अंत तक किसी भी निगम और मंडल में नियुक्ति नहीं हो सकी। कुछ आयोगों में जरूर नियुक्ति की गई है।

- इस बार की सूची को रखा गया है गुप्त, पिछली सूची हो गई थी लीक

नगरीय निकाय चुनाव के कारण अटका

नए साल में निगम, मंडलों में नियुक्ति का मामला नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के कारण अटक गया। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने तय किया, पहले नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव हो जाए फिर इसके बाद नियुक्ति की जाएगी। निगम, मंडलों के कई दावेदारों को नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में मौका मिल गया। अब नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव निपट गए हैं तो निगम, मंडलों में नियुक्ति की तैयारी है।

सूची रखी गई है गुप्त

भाजपा के जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के साथ निगम, मंडलों में नियुक्ति को लेकर चर्चा हो गई है। एक दर्जन से ज्यादा नामों पर लगभग सहमति भी हो गई है। इस बार सूची को पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। पिछली बार की सूची लीक हो गई थी। उस सूची में बड़ा फेरबदल भी कर दिया गया है। रविवार से नवरात्रि का प्रारंभ हुआ है और पहले ही दिन यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा हुई है। अब संभावना जताई जा रही है नवरात्रि में सूची कभी भी जारी कर देंगे।

खबर संक्षेप

युवती ट्रक की टक्कर से घायल, दो माह बाद रिपोर्ट दर्ज

महासमुंद। कोचिंग से घर जाने के दौरान ट्रक की टक्कर से युवती घायल हो गई थी। करीब दो महीने पहले हुई इस घटना को लेकर बागबाहरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को मोहनलाल चौधरी निवासी उखरा कोमाखान ने बताया कि 6 फरवरी की शाम 4 से 5 बजे के बीच उसकी पुत्री प्रतिभा चौधरी अपने मित्र साहिल साहू के साथ मोटर सायकल पल्सर में बैठकर कोचिंग से घर जा रही थी। मेन रोड बागबाहरा स्थित दुकान ओम कलेक्शन के पास ट्रक क्रमांक सीजी 04 एमवी 9679 के चालक ने लापरवाही पूर्वक अपने वाहन को चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया, जिससे युवती के पैर एवं शरीर में गंभीर चोटें आई। जिसे तत्काल बागबाहरा के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां से रेफर करने पर महासमुंद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और गंभीर चोट होने की वजह से महासमुंद के निजी अस्पताल से भी रेफर करने पर रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसका उपचार जारी है। मामले में रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा 281,125(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

उमरगांव में जल रहे आस्था के ज्योत

नगरी। ग्राम उमरगांव में चैत्र नवरात्रि पर माता रानी के दरबार में श्रद्धालुओं द्वारा तेल, घी की ज्योति प्रज्ज्वलित की गई है। ग्राम में चार जगह ज्योति प्रज्वलित है। शीतला माता मंदिर में 28 ज्योति जगमगा रही है। इसी तरह दुर्गा मंदिर, हल्बा समाज, खम्भेश्री मांई के दरबार में आस्था के दीप जल रहे हैं। माता रानी के दरबार में माता सेवा, भजन कीर्तन आयोजित हो रहा है।

ओमप्रकाश व सिद्धार्थ का नवोदय में चयन

मगरलोड। शासकीय प्राथमिक शाला शुक्लाभाठा के छात्र ओमप्रकाश पिता खुमान नवरंगे व सिद्धार्थ पिता चंद्रजीत बंजारे का नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। इनके चयन पर प्रधानपाठक रवि साहू, शिक्षक अनिल कंवर, शिक्षिका केशरी कंवर, सरपंच हेमकुमार यादव, प्राचार्य एसके साहू, पालक समिति अध्यक्ष देव बंजारे ने हर्ष व्यक्त किया है।ज्ञात हो कि विगत आठ वर्ष में इस विद्यालय के 16 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हो चुका है।

गुरू घासीदास ने समाज से भेदभाव को समाप्त किया

धमतरी। विधायक ओंकार साहू सतनाम सम्मेलन और मंगल चौका कार्यक्रम में ग्राम पीपरछेड़ी (गागरा) पहुंचे। उन्होंने गुरु घासीदास की पूजा- अर्चना कर उनके द्वारा समाज सुधार में किये आये अनुकरणीय कार्य को स्मरण किया। श्री साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा ने सतनामी समाज को संगठित कर राज्य की प्रगति के लिये अनुकरणीय कार्य किए हैं। लाखों लोग उनके बताए रास्ते पर चलकर आज मनखे मनखे एक समान का नारा लगा रहे हैं। उन्होंने छुआछूत, जातपात के भेदभाव को समाप्त किया। मौके पर श्रीमती मीता कौशिक सरपंच, हेमलाल बंजारे उपसरपंच, दुर्गेश्वरी निर्मलकर पूर्व सरपंच, दिनेश साहू पूर्व सरपंच, पवन बंजारे, भुनेश्वर ध्रुव, डोमेन यादव, ओंकार लहरे, जितेंद्र कोसले, रमेश लहरे समेत बड़ी संख्या में समाजन उपस्थित थे।

विडंबना: लगातार गिर रहा जलस्तर, लो-वोल्टेज की भी समस्या किसान परेशान

बारिकपाली में धान फसल को गाय और बकरी को चराने किसान विवश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

ग्रामीण क्षेत्रों में रबी फसल किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है, लेकिन इस वर्ष भूजल स्तर में भारी गिरावट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कई किसान मजबूर होकर अपनी फसलें छोड़ने को तैयार हैं।

हमारे संवाददाता ने जब किसानों से बातचीत की, तो उन्होंने बताया कि सिंचाई के लिए आवश्यक पानी की भारी कमी हो रही है। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिससे ट्यूबवेल और कुएं बेकार साबित हो रहे हैं। साथ ही लो वोल्टेज की समस्या ने भी किसानों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। बिजली की आपूर्ति सही तरीके से न होने के कारण मोटर पंप ठीक से नहीं चल पा रहे, जिससे सिंचाई व्यवस्था चरमरा गई है।

स्टॉप डेम की आवश्यकता, समाधान की ओर बढ़ते कदम

विशेषज्ञों का मानना है कि जल संकट का समाधान निकालने के लिए सरकार को ठोस

कदम उठाने होंगे। छत्तीसगढ़ में महानदी का पानी ओडिशा चला जाता है, जिससे जल स्तर में गिरावट आती है। यदि महानदी पर जगह-जगह स्टॉप डेम बनाए जाएं, तो पानी को रोका जा सकता है और जलस्तर में सुधार किया जा सकता है। इससे न केवल किसानों को राहत मिलेगी, बल्कि आने वाले वर्षों में जल संकट की समस्या भी काफी हद तक कम हो सकती है।

कर्ज में डूब रहे किसान, सरकार से मदद की उम्मीद

खेती के लिए किसान अक्सर कर्ज लेते हैं, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकें। लेकिन जल संकट और कम उत्पादन के कारण उनकी स्थिति और खराब हो रही है। फसल खराब होने की वजह से वे कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। किसान संगठनों का कहना है कि सरकार को जल संरक्षण और किसानों के लिए विशेष योजनाएं लागू करनी चाहिए, जिससे वे इस संकट से बाहर निकल सकें।

किसान हितैषी नीति की जरूरत

किसानों की इस विकट स्थिति को देखते हुए सरकार को जल्द से जल्द प्रभावी नीति बनाने की आवश्यकता है। जल स्तर को बनाए रखने के लिए व्यापक जल संरक्षण योजनाएं लागू की जानी चाहिए, ताकि आने वाले समय में किसानों को इस समस्या से न जूझना पड़े। जल संकट का प्रभाव किसानों की आजीविका पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ रहा है। यदि समय रहते उचित समाधान नहीं निकाला गया, तो आने वाले समय में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। सरकार और प्रशासन को जल्द से जल्द किसानों की समस्याओं का समाधान निकालकर जल संरक्षण पर ध्यान देना होगा, ताकि कृषि व्यवस्था मजबूत बनी रहे और किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।

जन चौपाल में प्राप्त हुए 42 आवेदन

महासमुंद। हर मंगलवार आयोजित जन चौपाल में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से लोग अपनी-अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे। जन चौपाल में लोगों ने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह से एक-एक कर मुलाकात की और उनके समक्ष अपनी मांगें व समस्याएं रखी। जन चौपाल में आज अलग-अलग समस्याओं के निराकरण के लिए कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्रकरणों के अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए यथाशीघ्र नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण प्रकरणों को समय सीमा में दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एस आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जन चौपाल में महासमुंद कांपा की जय मां दुर्गा स्व सहायता समूह ने रीपा में बिजली कनेक्शन के लिए, रामजीवन ने बोनस राशि की भुगतान के लिए कलेक्टर को आवेदन सौंपे। इसी तरह पिथौरा के उमेंद्र कुमार साहू ने पौधा परिवहन कार्य में कम दर पर राशि भुगतान की शिकायत की। ग्राम सुरकीपाली के श्यामलाल ने सीमांकन कार्य में विलंब होने पर आवेदन दिए। बागबाहरा बरबसपुर की चांदनी साहू ने आधार कार्ड बनाने, सरायपाली देवलभांठा के ललित कुमार नंद ने खसरा सुधार कार्य के लिए कलेक्टर को आवेदन दिए। इसी तरह आवेदकों द्वारा प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, अतिक्रमण हटाने एवं अन्य योजनाओं से संबंधित आवेदन कलेक्टर को सौंपे गए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मांग एवं समस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।

भाजपा मंडल बसना के अध्यक्ष बने नरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

भारतीय जनता पार्टी बसना मंडल में नरेंद्र यादव को मंडल अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। पूर्व में नरेंद्र यादव ने भाजपा पार्टी मंडल बसना का मंत्री पद पर कार्यरत थे। और वर्तमान में झेरिया यादव समाज के तहसील अध्यक्ष है। प्रदेश संगठन द्वारा नरेंद्र यादव की नियुक्ति होने पर सभी कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताया है। बसना मंडल में नरेंद्र यादव की नियुक्ति पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने ख़ुशी प्रकट हुए कहा कि भाजपा पार्टी एक परिवार है, सभी एकजुट होकर पार्टी को आगे बढ़ाएंगे। और नरेंद्र यादव के अगुवाई में पार्टी और मजबूत होगा। नरेंद्र यादव के नियुक्ति पर भाजपा मंडल महामंत्री जन्मजय साव, परदेशी पटेल, खीरसागर साव, सुनील प्रधान, बद्रीप्रसाद पटेल, कुलदीप प्रधान, सरोज, दुलामणि सिदार, हेमप्रकाश, सुरेश बारीक़ सहित सभी पदाधिकारी, महासमुंद लोकसभा सांसद रुपकुमारी चौधरी एवं बसना विधायक संपत अग्रवाल, ऐतराम साहू रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, एनके अग्रवाल, पीयूष मिश्रा, सुरिंदर सिंह मन्नू, सुमित अग्रवाल, जितेन्द्र कश्यप, अखिलेश भोई से मिलकर मार्गदर्शन आशीर्वाद लिया।

शीतला मंदिर के पास शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

ग्राम भलेसर के ग्रामीणों ने गांव के कुल देवी मां शीतला मंदिर के समीप शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने मांग कलेक्टर जनदर्शन में ज्ञापन सौंपकर की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम भलेसर की कुल देवी मां शीतला मंदिर के समीप स्थित शासकीय भूमि खसरा नं. 819 एवं 622 में पूर्वजों के समय तथा पुरातन काल से गांव की कुल देवी मां शीतला माता मंदिर के लिए ज्योत जंवारा विसर्जन व गांव के विभिन्न दैवीय कार्यों का सम्पादन किया जाता है। जिसे ग्राम भलेसर के राजू सतनामी पिता रामगुलाल सतनामी (पूर्वजों का निवास परसट्टी) द्वारा अतिक्रमण कर उक्त स्थल पर घर बनाने के लिए ईंट गिराकर झोपड़ी बनाने जा रहा है। ग्राम पंचायत भलेसर के सरपंच सेवाराम कुर्रे, उपसरपंच व पंचगण तथा ग्राम के समस्त नागरिकगण एवं ग्राम के विभिन्न संगठनों के समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में राजू सतनामी को उक्त स्थल पर किए गए अतिक्रमण भूमि को छोड़ने के लिए कहा गया। लेकिन, उनके द्वारा उक्त भूमि को नहीं छोड़ रहा है। वहीं ग्रामीणों को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है। जबकि सन 2018 में उक्त शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने के लिए मिट्टी डालवाया गया था, जिससे पानी का निकासी अवरूद्ध हो गया था। ग्रामवासी एवं वेदमाता गायत्री गौशाला के पदाधिकारियों द्वारा भी समझाया गया था, लेकिन नहीं मानने पर आवेदन उपरांत राजस्व अनुविभागीय अधिकारी महासमुंद द्वारा समझाइश दी गई थी। उनके द्वारा किए गए अतिक्रमण भूमि पर जेसीबी से मिट्टी को हटाकर पानी की निकासी किया गया था। इसके बाद भी उक्त व्यक्ति द्वारा अब पुनः अतिक्रमण किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कुल देवी मां शीतला मंदिर के समीप शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने मांग की है।

खेलकूद प्रतियोगिता में पुलिस जवानों ने लिया हिस्सा

महासमुंद। पुलिस विभाग रायपुर रेंज के अंतर्गत अंतरजिला पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी में 28 से 28 मार्च तक पुलिस लाइन रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें जिला महासमुंद से विभिन्न खेल में जवानों द्वारा भाग लिया गया। सचिन गोमस्था के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के खेल जैसे रस्साकशी, कबड्डी, वॉलीबॉल, हैंडबॉल आदि प्रमुख खेल हुए। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में गिरधारी लाल भास्कर, प्रीतम विश्वकर्मा, अनिल नायक, रघुनंदन हरवंश, छत्रपाल, नरेंद्र निर्मलकर, गोविंद ध्रुव शामिल हुए। वॉलीबॉल में द्वितीय स्थान हासिल किया, जिसमें टीआई सचिन गुमास्ता, प्र.आर. ललित पटेल, आर. रघुनंदन, प्रवीण, होतेंद्र जगत, छत्रपाल सिन्हा, नरेंद्र निर्मलकर, अनिल चौहान, माधव बरिहा, शाखाराम ने भाग लिया। हैंडबॉल में आरक्षक अनिल नायक, प्रीतम विश्वकर्मा, गिरधारी भास्कर, होतेंद्र जगत, सौरभ साहू, नरेंद्र निर्मलकर, माधव बरिहा ने भाग लिए। बास्केटबॉल में द्वितीय स्थान हासिल किया। इसमें आरक्षक प्रीतम विश्वकर्मा, गिरधारी भास्कर, अनिल नायक, नरेंद्र निर्मलकर, अनिल चौहान, हेमचंद पटेल, रघुनंदन ने भाग लिया।

नपाध्यक्ष ने प्याऊ का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

भीषण गर्मी से सूखे कंठों को राहत देने के लिए शीतल जल उपलब्ध कराया जाए तो इससे बड़ा पुण्य का कार्य दूसरा नहीं हो सकता। उक्त वक्तव्य नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने मोहंती समाज द्वारा लगाई प्याऊ के शुभारंभ पर कही।

स्थानीय मोहंती समाज द्वारा शहर के लोहिया चौक और तुमगांव रोड स्थित गुलशन चौक पर लोगों को शीतल जल उपलब्ध कराने प्याऊ घर लगाई गई है, जिसका शुभारंभ नपाध्यक्ष ने पूजा अर्चना कर किया। इस अवसर पर उन्होंने मोहंती समाज द्वारा प्याऊ संचालन की पहल को सराहनीय बताते हुए स्थानीय तथा बाहर से आने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। शीतल पेयजल के लिए उन्हें भटकना नहीं पड़ेगा। इस अवसर पर किशोर चंद्र मोहंती, मनोहर मोहंती, राज किशोर मोहंती, पवित्र मोहंती, प्रकाश मोहंती, मयूर मोहंती, जितेंद्र मोहंती, प्रभात मोहंती, संजय मोहंती, आनंद मोहंती, रिंकू पटनायक, विकास मोहंती, राजेश मोहंती, किशोर कुमार मोहंती, मनराज मोहंती, महिला मंच से प्रीति मोहंती, स्नेहा मोहंती, रंजीता मोहंती, रजनी मोहंती, बिजली मोहंती, तारा मोहंती, सुमन मोहंती, समीक्षा सामंत राय, मान्यता पटनायक, तनु मोहंती, तारिणी मोहंती सहित समाज जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उत्कल दिवस पर शरबत वितरण

महासमुंद। उत्कल समाज द्वारा आयोजित उत्कल दिवस पर स्थानीय नेहरू चौक में शरबत वितरण कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी एवं भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सिका ने शामिल होकर आमजनों को शरबत वितरण किया। इस अवसर पर वार्ड नंबर 10 पार्षद माखन पटेल, गुरुबच्चन सिंग, विपिन महंती, गौरव राठी, समीर करकसे, सहित उत्कल वासी उपस्थित थे।

जनपद उपाध्यक्ष हुलसी अपने कर्तव्य पथ पर अडिग

महासमुंद। जिला मुख्यालय के समीपस्थ जनपद क्षेत्र बेलसोंडा की सदस्य हुलसी चंद्राकर ने जीत के बाद जनपद उपाध्यक्ष चुने जाने के बाद ग्राम खरोरा में आम जनता से मुलाकात की और उनकी समस्याओं से अवगत हुई। हुलसी ने कहा कि हम जनप्रतिनिधि वोट मांगने चुनाव के समय अनगिनत जाते है। लेकिन, जीतने के बाद भी हमारा दायित्व होता है कि समय निकालकर देवतुल्य जनता जनार्दन से मेलमिलाप करना व उनकी समस्याओं से अवगत व निराकरण करना। कार्यालय से समय निकालकर अपने क्षेत्रों में पहुँच कर सरकार के योजनाओं व मूलभूत सुविधाओं धरातल तक पहुंचाने की निरतंर प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि जनता जिस भरोसे पर मुझे अपने जनप्रतिनिधि चुना है, उसका वे निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगी।

जमीन की खरीदी-बिक्री से राजस्व में हुआ इजाफा

हरिभूमि न्यूज ⏭कुरूद

वित्तीय वर्ष 2024-25 में उप पंजीयक कार्यालय कुरूद में जमीन एवं सम्पत्तियों की खरीदी बिक्री अपने लक्ष्य को न छू पाई लेकिन रिकार्ड दस्तावेज पंजीबद्ध हुए।

उपपंजीयक कपील अहमद खान ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में रिकार्ड 4,376 दस्तावेज पंजीबद्ध हुए और कुल मिलाकर 16 करोड़ 30 लाख रूपये राजस्व की प्राप्ति हुई जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में तीन करोड़ 35 लाख अधिक राजस्व प्राप्त हुआ लेकिन जो लक्ष्य दिया गया था उसमें 78 प्रतिशत ही लक्ष्य की प्राप्ति हुई। श्री खान ने बताया कि शासन ने जो नीति दानपत्र निष्पादन में लाई है, उसका भरपूर लाभ किसानों एवं जनमानस ने उठाया। उपपंजीयक कार्यालय अपने नवीन भवन में संचालित हो रहा है जिससे रजिस्ट्री कराने वाले पक्षकारों के बैठने, पार्किंग की सुविधा मिलने से पंजीयन कराना आसान हो गया है। धान के मूल्यों में बढ़ोतरी से कृषकों को कृषि जमीन से अच्छी आमदानी होने से भी संपत्ति के क्रय विक्रय में इजाफा का एक कारण रहा है।

रामनवमी शोभायात्रा में शामिल होने सरपंच, उपसरपंच को दिया आंमत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭सांकरा

श्रीराम सेना संगठन समिति ने सरपंच नागेंद्र बोरझा, उपसरपंच हरीश साहू को हिन्दू नववर्ष राम नवमी में आमंत्रित कर शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आग्रह किया। इस दौरान समिति के लव साहू, प्रवीर साहू, भरत पटेल, डेविड साहू, लीलेश साहू, रूद्रनाथ गोसाई, दुर्गेश भण्डारी, दयानंद साहू, पोखराज तारक, मिथिलेश पटेल, यश, विक्की साहू, पिंटू ध्रुव, लेखराज केंवट मौजूद थे।

विभिन्न ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज अदा की

ईद की खुशियों में झूम उठा नगरी

हरिभूमि न्यूज ⏭नगरी

नगरी-सिहावा क्षेत्र में सोमवार को ईद-उल-फितर का पर्व पूरे उत्साह और हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोग आपस में गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते नजर आए और भाईचारे व सौहार्द्र की मिसाल पेश की। ईद-उल-फितर रमजान के पवित्र महीने के समापन के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह दिन आभार, खुशी और सामाजिक एकता का प्रतीक होता है। रमजान के पूरे महीने में रोजे रखने के बाद यह पर्व एक नई शुरुआत का संदेश देता है। नगर पंचायत नगरी अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, उपाध्यक्ष विकास बोहरा, सभापति अश्वनी निषाद और पार्षद राजा पवार ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों से मुलाकात की। ईद की नमाज अदा होने के बाद उन्होंने समाज के लोगों से गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। नगर के मुस्लिम समाज ने भी नगर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को ईद की मुबारकबाद दी और मिल-जुलकर इस त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों ने पारंपरिक और धार्मिक रूप से ईद का पर्व मनाया। लोगों ने अपने घरों में विशेष पकवान बनाए। सेवइयां और मिठाइयां बांटी और रिश्तेदारों व मित्रों को दावत पर आमंत्रित किया। बच्चों के लिए यह दिन विशेष रूप से उल्लास से भरा रहा। उन्होंने नए कपड़े पहने और दोस्तों के साथ ईद की खुशियां मनाई।

ईद का यह पावन पर्व समाज में एकता, भाईचारे और प्रेम का संदेश देता है, जिसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होने का संकल्प लेते हैं।

प्रेमिका से मिलने गए युवक से मारपीट

महासमुंद। अपनी प्रेमिका से मिलने गए युवक की तीन लोगों ने धुनाई कर दी। मामले में युवक की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ पटेवा थाने में जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। मामले को लेकर पटेवा थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए प्रार्थी भूपेंद्र कुर्रे ने बताया कि कि वह 28 मार्च की रात को अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए गया था। इस दौरान वह मंदिर के सामने अपनी प्रेमिका से बात कर रहा था। इसी दौरान युवती के दो भाई अपने एक अन्य साथी के साथ वहां आए और हमारी बहन से रात में मिलने आया है कहकर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे और जान से मारने की धमकी दी। मामले में पटेवा थाने में आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

खबर संक्षेप

कोडार जलाशय से निस्तारी के लिए पानी छोड़ने की मांग

महासमुंद। जिले में गर्मी बढ़ते ही जलस्तर घटने के साथ ही तालाब भी सूखने लगे हैं। गांवों में निस्तारी की समस्या भी शुरू हो गई है। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू ने कोडार जलाशय से पानी छोड़ने की मांग की है। महासमुंद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सिरपुर ब्लॉक, तुमगांव ब्लॉक, महासमुंद शहर, ग्राम परसदा और बेलटुकरी में जल स्तर गिर चुका है। पानी को लेकर मचे संकट से निजात दिलाने के लिए अति शीघ्र कोडर जलाशय से पानी छोड़ने की मांग की है।

धारदार बंडा व चाकू लहराते दो गिरफ्तार

धमतरी। सड़क किनारे धारदार हथियार लहराकर लोगों को डरा धमका रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पेट्रोलिंग पर निकली अर्जुनी पुलिस को मुखबीर से ग्राम पुरी मोड़ सड़क किनारे दो युवकों द्वारा धारदार हथियार से आने-जाने वालों को डराने धमकाने की सूचना मिली। पुलिस तत्काल पुरी मोड़ पहुंची। यहां दो युवक धारदार बंडा व चाकू लहरा रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ पूछताछ की। इस दौरान एक ने अपना नाम अमित सोनवानी पिता खेमलाल उम्र 28 वर्ष ग्राम छाती थाना कुरूद एवं दूसरे ने कमलेश यादव पिता शिव उम्र 30 वर्ष ग्राम छाती थाना कुरूद निवासी बताया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धारदार बंडा व चाकू जब्त कर लिया।

निधन

पन्नालाल साहू

नर्रा। ग्राम पंडरीपानी निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कृषक पन्नालाल साहू (82) का आकस्मिक निधन सोमवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 1 अप्रैल को किया गया। अंत्येष्टि कार्यक्रम में समाज के अलावा आसपास गांवों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। वे गजानंद व थानेश्वर साहू के पिता थे।

बसना की कंपनी को केंद्र पोषित कृषि यांत्रिकीकरण पर सबमिशन योजना का मिला लाभ

14 लाख रुपए लागत की कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश और जिला पंचायत सीईओ एस आलोक के मार्गदर्शन में बिहान के अंतर्गत बिहान के सहयोग से एचडीएफसी बैंक सीएसआर एवं जीटी भारत के संयुक्त परियोजना, स्त्री पहल के अंतर्गत महासमुंद जिले के बसना ब्लॉक में स्थित मुस्कान अग्रणी महिला फार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने केंद्र पोषित कृषि यांत्रिकीकरण पर सबमिशन योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना की है।

इस योजना के तहत समूह की महिला द्वारा संचालित कंपनी को 14 लाख रुपए मूल्य की कृषि मशीनरी प्राप्त हुई है, जिसमें ट्रैक्टर, थ्रेशर, कल्टीवेटर, रीपर, सीड ड्रिल और हैंड स्प्रेयर शामिल हैं। एसबीआई बैंक, शाखा बसना द्वारा केंद्र पोषित कृषि यांत्रिकीकरण पर सबमिशन योजना के अंतर्गत कंपनी को 10 लाख रुपए के ऋण की वित्तीय सहायता दी गई। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 8 लाख रुपए की बैक-एंड सब्सिडी भी मंजूर की गई है। ये मशीनें कस्टम हायरिंग सेंटर मॉडल के तहत एफपीसी सदस्यों को उपलब्ध कराई

जाएंगी, जिससे किसान किफायती दरों पर आधुनिक उपकरण किराए पर ले सकेंगे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को सस्ते दर पर आधुनिक कृषि उपकरण प्रदान करना है, जिससे उनकी उत्पादकता और लाभप्रदता में वृद्धि हो सके। कंपनी की अध्यक्ष अंजना साहू ने बताया कि इस योजना का लाभ समूह से जुड़े 500 से अधिक महिला किसानों और अन्य छोटे और सीमांत किसानों को मिलेगा, जिससे उनके कृषक कार्य में लगने वाले समय और खर्च की बचत होगी और आधुनिक उपकरणों से खेती करने से उपज और मुनाफे में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी।

कंपनी की अध्यक्ष अंजना साहू ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने में सभी निदेशकों का भरपूर समर्थन मिला। उन्होंने एसबीआई बैंक शाखा बसना के ब्रांच मैनेजर मोहम्मद शेख आदिल एवं सहायक मैनेजर समीर गुप्ता को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। जिन्होंने समय पर वित्तीय सहायता प्रदान की तथा कार्य को सुगम बनाया। इस योजना को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए कृषि अभियांत्रिकी विभाग रायपुर, एसबीआई बैंक, बिहान विभाग जिला महासमुंद एवं ब्लॉक स्टाफ बसना और जीटी भारत के क्लस्टर मैनेजर अंकित कुमार का विशेष सहयोग रहा है।

सख्ती: कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने ली समय-सीमा की बैठक

अधिकारियों को बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कलेक्टर विनय लंगेह ने समय सीमा की

- राजस्व पखवाड़ा में किसानों के नामांतरण, बंटाकन, नक्शा अपडेशन आदि कार्यों का स्थल पर निराकरण करें : कलेक्टर

बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में धान उठाव, राजस्व पखवाड़ा, पीएम जनमन योजना और मनरेगा में श्रम आधारित कार्य जैसे अहम मुद्दों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एस आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, रविराज ठाकुर, एसडीएम हरिशंकर पैकरा सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अनुविभागीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी जुड़े थे।

कलेक्टर लंगेह ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी अधिकारियों को समय-समय पर कार्यालयों के औचक निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। साथ ही किसी भी अधिकारी को बिना अनुमति मुख्यालय से बाहर नहीं जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर लंगेह ने आगामी राजस्व पखवाड़ा की समीक्षा करते हुए भूमि संबंधी विवाद, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, ऋण पुस्तिका जारी करने, भू-अधिकार पत्र, जाति, निवास व आय प्रमाण पत्र सहित अन्य राजस्व मामलों का समाधान करने संबंधित राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए। राजस्व पखवाड़ा तीन चरणों में 07 से 21 अप्रैल तक, 13 से 27 मई तक और 16 से 30 जून तक आयोजित होगा। कलेक्टर लंगेह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी लंबित समस्याओं का निराकरण करवाएं। इस दौरान सभी आरआई, पटवारियों को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर लंगेह ने खाद्य विभाग और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि धान उठाव की प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी की जाए। वर्तमान स्थिति में 21 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव शेष है। इसी तरह ई-केवाईसी भी निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस योजना के लक्ष्यों को शीघ्रता से पूरा करें। विशेषकर जाति, आधार, आयुष्मान कार्ड आदि को शत प्रतिशत बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़कों पर आवारा मवेशियों के जमवाड़ा को सुरक्षित स्थानों पर रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा राजमार्गों और कनेक्टिंग सड़कों के बीच गति अवरोधक बनाने कहा है। कलेक्टर ने मदिरा दुकानों में अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस और आबकारी अधिकारी को टीम बनाकर समय-समय पर निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यालयों में ई-ऑफिस क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सभी विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों का डाटा शीघ्र जमा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें।

कलेक्टर लंगेह ने मनरेगा के तहत अधिकतम श्रम आधारित कार्यों जैसे वाटर कंजर्वेशन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति देने के निर्देश दिए गए, जिससे ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध हो सके एवं ग्रामीणों को बिना वजह पलायन न करना पड़े। विभिन्न सरकारी योजनाओं और समय सीमा पत्रकों की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें। ताकि, आमजन को इनका लाभ जल्द से जल्द मिल सके। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों को कार्य में पारदर्शिता और तत्परता बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा डिजिटल क्रॉप सर्वे, फर्मर रजिस्ट्रेशन, कार्यालयों के लिए भूमि आबंटन, आदि की विस्तार से समीक्षा की गई।

आपसी भाईचारे का प्रतीक है ईद का पर्व : निखिलकांत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

चांद की तस्दीक होने के बाद मुस्लिम समुदाय ने ईद का पर्व धूमधाम से मनाया। नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू ईदगाह भाठा पहुंचे और उन्होनें मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात कर नमाजी मुस्लिम समुदाय के लोगों से गले मिले। उन्होनें मुल्क-ए-वतन हिंदुस्तान, सुबाए छत्तीसगढ़, महासमुंद जिले में आपसी भाईचारा, अमन ओ सकून व खुशहाली की दुआ मांगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शकील खान, गुलाम मोहम्मद (बाबू भाई), जाकीर भाई, सरफराज राजवानी, सुल्तान बागड़ी, अमीन रजा चौहान, जुनैद भाई, मिर्जा रिजवान बेग, सिकंदर (फ्लेक्स), शादाब अशरफी, इदरीश चौहान, इकबाल भाई, शहबाज राजवानी, अब्दुल सूफियान व समाज जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आपसी भाईचारे का पैगाम देने ईद में शामिल हुए अंकित

महासमुंद। कांग्रेस पार्टी के नेता अंकित बागबाहरा ने बताया कि ईद उल फितर के मुबारक अवसर पर रोज़ेदारों को ईद की बधाइ देने ईदगाह पहुंचे। साथ में जुगराज बघेल, सन्नी केशरवानी, नरेंद्र जैन, सुनील जैन, वाजिद खान मुस्लिम समाज के सदर हाजी अमजद मेमन, हाजी गनी चौहन, हाजी आबीद करैशी, हाजी बशीर परमार, हाजी वारिश चौहान, फिरोज मेमन, सिकंदर सिद्दिकी, यूनुस कुरैशी, नियाज अली, साजिद खान, प्यारु खान, सज्जाद खान, शहजान पाशा, बड़ा खान, बाबू साहब खान, कुरैशी, अमीर खान, सलीम खान, इमरान खान, आतिफ सिद्दिकी, अय्यूब मेमन, जावेद खान, सलमान मेमन, सोहेल मेमन, जावेद खान, रज्जा खान, उपस्थित रहे।

श्रीमद भागवत में जड़भरत पर सुनाई कथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

चैत्र नवरात्र पर ग्राम बेमचा स्थित मां खल्लारी मंदिर परिसर में चल रहे श्रीमद भागवत पुराण के तीसरे दिवस पंडित मिथलेश तिवारी ने जड़ भरत कथा में बताया कि

अंत मति सो गति जीव। अंतिम समय में जिसका चिंतन करता है अगला जन्म उसी का पाता है। इसलिए अंत में अनंत का परमात्मा का चिंतन करना चाहिए। कथा में बताया कि ऋषभ देव के 100 पुत्रों में भरत सबसे बड़े थे। पिता का सत्संग मिला, गंडकी नदी दामोदर कुंड में जाकर माला जपने लगे। लेकिन मृग कहते प्रणांत हुआ तो दूसरा जन्म मृग का मिला, लेकिन सत्संग के प्रभाव से मृग की देह में भी उनकी पिछले जन्म की स्मृति बनी रही। ऐसी ग्लानि हुई कि परमात्मा चिंतन करते करते देह त्यागी तो तीसरा जन्म अंगिराश ब्राह्मण के घर में हुआ। पिता ने भरत नाम रखा, पिता गायत्री मंत्र रटाते रटाते मर गए, पर एक भी मंत्र नहीं सुनाया। जानते सब थे, विचार किए पिता के मंत्र आत्म उपदेश के लिए नहीं, यजमानों के घर पूजा पाठ कराने के लिए रटा रहे है। फिर माया में नहीं फंसना सोचकर पिता की मृत्यु के बाद भाइयों ने जड़ भरत को घर निकाल दिया। भीलों के सरदार ने बलि देनी चाही। माता काली ने प्राण रखा। लेकिन, भरत को बलि दिए जाने का दुःख नहीं, माता काली ने प्राण रक्षा की। आगे रहुगण को सुंदर उपदेश किया। यह उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रविकांत चंद्राकर ने दी है।

पिता की जान बचाने वाले बहादुर बच्चों को वीरता पुरस्कार देने समाज ने की मांग

धमतरी। देवांगन समाज ने अपने पिता को पानी में डूबने से बचाने वाले दो बहादुर बच्चों को वीरता पुरस्कार से सम्मानित करने की मांग की है। मंगलवार को धमतरी मंडल देवांगन समाज अध्यक्ष जगदीशचंद्र देवांगन, महिला मंडल अध्यक्ष खुशबू देवांगन, प्रभा देवांगन, रामचंद, कोमल, जितेंद्र, ओमप्रकाश, कमलेश, मनीष, मिथिलेश देवांगन ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कहा है कि समाज के बहादुर एवं जांबाज बच्चे आशु पिता संतोष देवांगन, मेहुल पिता मिथिलेश देवांगन ने 28 मार्च को रूद्री बांध की गहराई में डूबते हुए अपने पिता की जान बचाई। प्राथमिक उपचार देकर उसकी जीवन रक्षा की। बहादुर बच्चों ने उल्लेखनीय कार्य किया है। समाज ने बच्चों को वीरता पुरस्कार देने की मांग की है।

शिक्षक रामप्रसाद को मिला समाज गौरव सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्रा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं वार्षिक सम्मलेन पर शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्तरीय समाज गौरव सम्मान समारोह 2025 का आयोजन वृंदावन हॉल रायपुर में किया गया। जिसमें बागबाहरा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिंद्रावन में पदस्थ शिक्षक राम प्रसाद साहू को अतिथियों ने समाज गौरव सम्मान व प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि पुरंदर मिश्रा उत्तर रायपुर विधायक, विजय खंडेलवाल जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर, जागेश्वरी मढ़रिया मेश्राम छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेत्री, निधि चंद्राकर उड़ान नई दिशा के संस्था अध्यक्ष एवं संस्थापक, शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मीना भारद्वाज, संस्थापक संजय कुमार मैथिल, संरक्षक परशराम साहू रहे। इस अवसर पर शिक्षक साहू को समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान शिक्षक को समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति अभियान, बालिका शिक्षा प्रोत्साहन, कला संस्कृति, शिक्षा में उत्कृष्टता तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट व कार्य में सहयोग के लिए शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक मिश्रा ने कहा कि शिक्षकों को गुरु माना गया है। मदिरापान व नशे से दूर रहे। ताकि, छात्रों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर सकें। शिक्षक साहू को सम्मान प्राप्त होने पर इस संस्था के प्रधान पाठक गोविंद सिंह चक्रधारी, अशोक बरिहा, वैशाली व्यवहार, धनेश्वरी बास्कर, डगौरी यादव, सेतराम राणा आदि ने हर्ष जताया है।

केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश के छात्रों का भविष्य गर्त में : रश्मि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

- आईआईटी और उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में 10 प्रतिशत से अधिक की प्लेसमेंट में गिरावट

सीएजी और संसदीय समिति की रिपोर्ट में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी डॉ रश्मि चंद्राकर ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार से न देश संभल रहा है, न देश की अर्थव्यवस्था। बेरोजगारी का आलम यह है कि अब तो देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी में भी प्लेसमेंट लगातार काम हो रहे हैं। संसदीय समिति की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि आईआईटी और नित जैसे उच्च शिक्षा के सर्वाधिक प्रतिष्ठित संस्थानों में भी 10 प्रतिशत से अधिक की प्लेसमेंट गिरावट आई है, जो युवाओं के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर ने कहा है कि केंद्र सरकार के गलत नीतियों के चलते देश के छात्रों का भविष्य लगातार गर्त में धकेला जा रहा है। एक तरफ जहां केंद्र सरकार के विभाग सरकारी उपक्रम और नवरत्न कंपनियों में 30 लाख से अधिक पद रिक्त हैं। वही भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भर्तियां रोक रखी है। बैंकिंग सेवा, एसएससी, रेलवे जैसे भर्ती परीक्षाएं जो पहले हर 3 महीनों में लगातार आयोजित होती थी, पिछले 11 सालों से जब से मोदी सरकार आई है, लगातार बाधित हैं। अब देशभर के प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्लेसमेंट में भारी गिरावट चिंता का विषय है। हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा तो मोदी और भाजपा दोनों भूल गए है।

विधायक ने किया प्याऊ का उद्घाटन

विधायक बोले: बोले गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाएंगी प्याऊ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने नर सेवा नारायण सेवा के संकल्प को साकार करते हुए एक और उदाहरण पेश किए उन्होंने अपने बड़े सुपुत्र व पूर्व नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल के जन्मदिन पर पूजा अर्चना कर अमृतधारा सार्वजनिक प्याऊ घर का उद्घाटन राहगीरों को शुद्ध शीतल जल पिलाकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रचंड गर्मी में लोगों के सूखे कंठ की प्यास को बुझाने से बड़ा कोई धर्म और पुण्य नहीं। गर्मी के मौसम में जल सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं। क्योंकि, प्यास के कारण न जाने कितने लोग अस्वस्थ हो जाते हैं और बीमार पड़ जाते हैं। गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाने को नगर स्थित कन्या शाला हनुमान मंदिर के सामने, बस स्टैंड, जनपद पंचायत बसना चौक एवं विधायक निवास नीलांचल भवन के सामने अमृतधारा सार्वजनिक प्याऊ घर का उद्घाटन कर जन समर्पित किया गया। यह प्याऊ घर आमजन को शुद्ध एवं ठंडा जल उपलब्ध कराकर भीषण गर्मी में यात्रियों, राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को राहत प्रदान करेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधानसभा संयोजक डॉ. एनके अग्रवाल, नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, जनपद पंचायत बसना उपाध्यक्ष मोहित कुमार पटेल, सीएमओ सूरज सिदार, विधायक प्रतिनिधिगण अरविंद मिश्रा, विकास वाधवा, निर्मलदास, सोनू छाबड़ा, कामेश बंजारा, प्रकाश सिंहा जनपद सदस्य, विजय पटेल, त्रिलोचन भोई, अश्वनी प्रधान, मुकेश अग्रवाल, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।